feel that there should be a very serious thinking on it. Even after fifty years of our independence, we are going to follow the system of British examination pattern. It is wrong. Even they have changed their examination pattern. The examination should be more positive as to how much a child knows. That should be the attitude. If students especially in the lower classes and up to 10th class are committing suicide, it is because they are unable to compete. I think it is a torture for the coming generation. Whatever you are going to say in the House, we would appreciate it. But I would suggest that in the next session of Parliament, we should have a full-fledged discussion regarding our education policy and more specifically about examination policy. I am making this announcement, Mr. Minister. I am making this suggestionl I would request the Chairman to give permission. Within one month's period, you will be able to collect all the information regarding it and all the suggestions you can get from outside, from experts, and come back to the House so that we can really evolve a good examination policy which will help our children. On these comments ...*(Interruptions)*.

SHRI S.S. AHLUWALIA: What about the present problem? Let him react.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He would answer.

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): Madam, I highly appreciate the concern and sentiments expressed by hon. Members about the future of students and the hardships they are facing during the examinations because of the question papers being lengthy, out of the syllabus and difficult ones. I would only say this. When I saw in the Press the news about these question papers, immediately I asked my department officers to have a discussion with the Chairman of the CBSE. He is seized of the matter. Again, about this mathematics paper, I read. Today, Members have also raised it. The matter will be thoroughly discussed with the authorities concerned and also with the Chairman and we would try to find the appropriate solution.

So far as the policy of education and examination is concerned, I welcome the suggestion by the Chair. Let there be a debate. Let there be a discussion. From the day of Independence up-till-now, we have got a number of reports which experts have given. And we have been experimenting with the future of the younger generation. We are continuously going on experimenting with their fate and future. Therefore, I welcome this suggestion. Let there be a fullfledged discussion on the education policy as well as on the examination policy. Time may be given for that. But it may not be possible to get all the suggestions within a month.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Whatever you can get.

SHRI S.R. BOMMAI: With whatever is possible, whenever a date is fixed for the discussion, I will prepare myself, I will place before the House what the view of the Government is so far as the education policy is concerned, so far as the examination policy is concerned.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Thank you, Mr. Minister. I assure you that we will find the time for it.

श्री एस.एस. अहलुवालियाः मैडम, इम्तिहान के रिज़ल्ट्स टाइमली आने चाहिए; लेट नही होने चाहिए। तो मंत्री जी इसके बारे में भी तो ऐश्योरेंस दें कि वे टाइमली आएंगे।

It should not be delayed. The results should not be delayed.

RE: NEGLECT AND BACKWARDNESS OF FARUKKABAD DISTRICT AND CONSEQUENTIAL PROBLEMS

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (**उत्तर प्रदेश**): उपसभापति महोदया, मैं अपने जिले फरुखाबाद की समस्याओं की तरफ आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। महोदया, यहां कुछ समस्याएं तात्कालिक हैं और कुछ दिर्घकालीन हैं। इन दोनों कि वजह से वहां के किसान और जनता बहुत ही परेशान

है। सबसे पहले मैं आपका ध्यान एक तात्कालिक समस्या की ओर दिलाना चाहूंगा, जिसका संबंध आलू की उपज से है। महोदया, वहां आलू की बहुत उपज होती है और हर साल की तरह इस साल भी वहां लाखों रुपए का आलू सड़ रहा है जबकि दिल्ली में और बड़े-बड़े शहरों में हमें आलू के लिए बहुत अधिक पैसे देने पड़ते हैं। महोदया, यदि जी.टी. रोड पर निकला जाए, तो इस सड़क के दोनों और आपको आलू सड़ता हुआ नज़र आएगा। वहां आलू का यह हाल पिछले कई सालों से हो रहा है। महोदया, पहले भी कई बार यह मामला उठाया गया है लेकिन, इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह इस समय की, तात्कालिक समस्या है और मैं चाहूंगा कि इस पर जल्दी से जल्दी ध्यान दिया जाए।

महोदया, मैं उस जिले के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व की तरफ कोई ध्यान नहीं दिलाना चाहता क्योंकि जैसा मैंने निवेदन किया है कि वहां की समस्याएं ऐसी है, जिनकी तरफ कई सालों से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आशा यह थी कि पिछले दिनों, जब कि वहां राष्ट्रपति शासन था, कुछ होगा। उपसभापति महोदया, सबसे पहले जो यातायात की समस्या है। उसकी ओर मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। महोदया, मथुरा से फर्रुखाबाद होते हुए कानपुर तक बडी लाइन का मामला बहुत दिनों से खटाई में पड़ा हुआ है। यद्यपि मुझे आश्वासन कई मर्तबा मिल चुका है लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है। इसकी वजह से इलाहाबाद में जहां हाई कोर्ट है या लखनऊ, जो राजधानी है उत्तर प्रदेश की, वहां तक लोगों का पहुंचना मुश्किल है और खासकर उनको बिमारी के समय में बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

महोदया, दूसरा निवेदन मैं यह करना चाहता हूं कि एक गाडी कालिन्दी जो चलाई गई दिल्ली से फर्रुखाबाद तक, उसकी हालत बहुत ही खराब है और मैं चाहता हूं कि कम से कम उसमें एक सेंकेंड ए.सी. कोच लगाया जाए और बिजली आदि की जो सुविधाएं होनी चाहिए, उनका भी कुछ न कुछ प्रबंध किया जाए। महोदया, उस जिले में सड़कों की हालत और छोटी-छोटी पुलियों की हालत बहुत ही खराब है।

महोदया, मैंने अभी आपसे आलू के संबंध में निवेदन किया। वास्तव में वहां पर कई ऐसे फल होते है जैसे अमरुद, आम आदि लेकिन कोई भी फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री वहां पर नहीं है। यही नहीं वहां पर खरबूजा, टमाटर, कटहल आदि भी पैदा होते है जिससे किसानों को लाभ होता है लेकिन उनकी खरीद और प्रोसेसिंग का कोई प्रंबध न होने के कारण लोनों को कठिनाई होती है, (समय की घंटी)

महोदया, क्षेत्रीय समस्याओं के संबंध में मैं संभवतः पहली बार कुछ कह रहा हूं, इलि 2 मिनट क समय मुझे और दीजिए। महोदया, कोल्ड-स्टॉरेज की यहां कर कमी है। यही नहीं वहां पर तंबाकू का उद्योग था, मगर उस फसल में भी बहुत कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मजदूरों की भी बहुत सी कठिनाइयां हैं।

उपसभापतिः एक गवर्नमेंट का राज हो जाएगा तो वहां बोलेंगे असेंबली में।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदीः यह तो उम्मीद हम करते थे राष्ट्रपति महोदय शासन में इनका समाधान होगा लेकिन उत्तर प्रदेश के जो प्रश्न थे वे अनुतरित ही रहे। इसलिए मैं निवेदन करना चाहता हूं कि सब समस्याएं राज्य सरकार की नहीं हैं। इन पर केन्द्र सरकार को भी ध्यान देना चाहिए। अखबार में मैंने भी पढ़ा है कि सरकार बनने वाली है, अब क्या होता है। 12 और एक बजे के बीच में, मैं नहीं जानता। इसीलिए मैं अपने क्षेत्र की समस्याओं के संबंध में आपसे निवेदन कर रहा हूं कि इस ओर केन्द्रीय शासन का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

महोदया, सिंचाई की कोई उचित व्यवस्था वहां पर नहीं है। खेद इस बाद का है कि वहां पर पीने के पानी की समस्या है जब कि वहां गंगा-जमुना का दोआब है लेकिन फिर भी पीने के पानी की समस्या है। उद्योग में संबं ध में भी हम बहुत बात करते है। मेरे जिले में लड़कियो के लिए किसी भी तरह का कोई कामर्शियल या टैक्निकल इंस्टीट्यूट अभी तक स्थापित नहीं हुआ है जब कि यह डा. जाकिर हुसैन का क्षेत्र है जिनका शिक्षा के क्षेत्र में इतना बड़ा योगदान रहा है।

महोदया, हमारे वहां छोटे उद्योग-धंधें भी समाप्य हो रहे हैं और उनकी जगह पर नए उद्योग – धंधों की स्थापना वहां नहीं हो रही है। कुछ समय पहले एक स्पिनिंग मिल वहां लगी थी, जो हमारे कर्नाटक के वर्तमान राज्यपाल हैं, उनकी कोशिश से इसकी स्थापना हुई थी, वह भी अब बंद पडी है।

महोदया, टी.वी. का मामला ले लीजिए। उसका रिसेप्शन ठिक नहीं आता चाहे वह कायमगंज हो या कन्नौज हो। इस बारे में केन्द्रीय सरकार भी यहां से कुछ नहीं करती है और न ही वहां पर कोई सक्षम ट्रांसमीटर केन्द्र स्थापित किया गया है।

उपसभापतिः चतुर्वेदी जी, आपका जिला इतना बड़ा है, उसकी इतनी समस्याएं होगी। वे आज के 3 मिनट में तो पूरी नहीं हो सकतीं। आपने 10 मीनट ले लिए हैं।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदीः ,मैडम, वैसे तो बहुत समय लगेगा। उसकी कथा तो अनंत है। जनता का दुख और पीड़ा तो अनन्त है ही, 25, 50 साल की कथा तो अनन्त है ही ...(व्यवधान)... वैसे अहलुवालिया जी तो रोज ही सब ही की व्यथा हमारे सामने रखते ही रहते हैं। थोड़ा सा समय मुझे दे दें एक मिनट का। ...(**व्यवधान**)...

मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि इस समय जो वहां के किसानों की समस्या है और खासकर उपज के संबंध में, आलू की उपज और जिनका मैंने जिक्र किया, उनके ऊपर तुरन्त ध्यान दिया जाए और साथ ही साथ जितनी भी यह दिर्घकालीन कुछ समस्याओं कि ओर आपका ध्यान दिलाया और उनकी तरफ भी कुछ ध्यान दिया जाएगा तो मैं समझता हूं कि वहां के किसानों को और वहां की जनता को बहुत राहत मिलेगी। आपने इतना समय दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री संजय निरुपम(महाराष्ट्र)ः मैडम्, मैं आधा मिनट का मौका चाहता हूं।

उपसभापतिः एक सेकेंड, वह क्या कह रहे है। आप एसोशिएट कर रहे है या डिसएशोशिएट कर रहे हैं।

श्री खान गुफरान ज़ाहिदी (उत्तर प्रेदश)ः माननीय सदस्य श्री चतुर्वेदी ने एक बहुत अहम समस्या की तरफ ध्यान दिलाया है जो आलू की प्रोब्लम से संबंधित है। इस साल आलू की पैदावार बहुत जबर्दस्त हूई है। इतना सस्ता आलू है तथा वह सड़ रहा है, तबाही आ रही है आलू पर। हर शीतगृहों के सामने लम्बी-लम्बी कतारें ट्रकों, ठेलों की खडी हुई हैं और एक पूरी पट्टी है आलू की। वह कोल्ड स्टोरेज चाहे कोआपरेटिव के हों या सरकार के हों उनमे शायद दस परसेंट भी काम नहीं कर रहे हैं। जिला मजिस्ट्रेट अपनी तरफ से पर्चियां बांटना शुरू कर रहे है । हमारी समझ में नहीं आ रहा है, गेंहू का मामला हो तो आप सपोर्ट प्राइस एनाउन्स करते हैं। तो इसमे आलू की रिपोर्ट प्राईस भी फौरन एनाउंस होनी चाहिए। दूसरा, वैगन देकर, ठेलों का इंतजाम करके दूसरों सूबों में इसका भेजने का तुरन्त प्रबन्ध किया जाए, वरना लाखों किसान बरबाद हो रहे हैं, उनको अपना इन्पुट का पैसा भी नहीं मिल रहा है और नतीजा यह होगा कि जो कर्ज उन्होंने लिया है उसके बाद उनके घर लुटेंगे, नीलाम होंगे, खेत बिकेंगे। इसलिए, मैं आपके माध्यम से एग्रिकल्चर मिनिस्ट्री से यह कहना चाहूंगा कि दुसरे सूबों में आलू भेजने का फौरन प्रबंध किया जाए। यही नहीं वहां पर डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट को कहकर जो सरकारी शितगृह हैं और जो कोआपरेटिव शितगृह है उनको तुरन्त चलवाने की कोशिश की जाए।

श्री संजय निरुपमः मैडम, मैं एक समस्या कि ओर आपका ध्यान दिलान चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

उपसभापति: निरुपम जी, आपकी क्या समस्या है ...(**व्यवधान**)...

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh): Madam, there is a serious issue about Almatti. ...*(interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: What is the problem? ...*(interruptions)*... Please sit down. We are taking it up. She was not here. That is why I did not call hen I do not understand how Renukaji's ...*(Interruptions)*... Just one second. I will allow you, Mr. Sanjay Nirupam. I do not know how Renukaji's Special Mention or Zero Hour Mention went to number eleven because the Chairman Saheb had cleared it yesterday. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Yes, I know, I has asked him ...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You don't need to get up for everything, Renukaji. You get up only when I ask you, please. I am trying to protect your right how it went to number eleven, I have no idea. I have the note from the Chairman that he had permitted it yesterday. Of course, the students' matter had to be taVen up first because that was very serious. I am not saying that your Almatti matter is not serious. It should have been second and the hon. Chairman has also written that. I do not know how it went to number eleven. I will find it out from the Secretariat how it went to number eleven. Now let this matter be over. The next would be yours. Okay? Fine? ...*(Interruptions)*...

श्री संजय निरुपम: मैडम्, मैं भी कुछ कहना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sorry, we are discussing U.P. just now; confine yourself to U.P. If you want me to open a discussion on *kisans,* I will close everything else and we will discuss that. Okay...(**व्यवधान**)...अभी उनको बोलने दीजिए न, कभी वह बोलते नहीं है। यू.पी. से क्या ताल्लुक हो रहा है मुझे पूछना है। किसान की बात नहीं है इधर।...(**व्यवधान**)...

श्री संजय निरुपमः मैडम्, मैं उत्तर प्रदेश की बात कर रहा हूं। जिन समस्याओं के संबंध में उन्होंने कहा है उससे बिल्कुल पड़ौसी जिला है मुजफ्फरनगर। वहां सबसे बडी बर्निंग प्रोब्लम यह है कि लगातार हत्याएं हो रही हैं वहां पर। पिछले हफ्ते क्लीनिक में घुस कर एक डॉक्टर की हत्या की गई । अभी परसों यानी 19 तारीख की रात को शिव सेना के एक बड़े ही सीनियर लीडर की हत्या की गई । तकरीबन राज के नौ बजे की बात है। वे अपने मंडी से, अपने कामकाज से घर को लौट रहे थे, उनकी हत्या कर दी गई और अभी तक हत्यारों को पकड़ा नहीं गया है। ...(**व्यवधान**)... सरकार का इसमें क्या रुख है? मैडम् मैं यह बताना चाहता हूं कि इसमें प्रशासन का दोष नहीं है।

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: This will not go on record. *(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA (Bihar): Madam, what is this? *(Interruptions)...*

SHRI SANJAY NIRUPAM: *

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not going on record. *(Interruptions)...* It will not go on record. *(Interruptions)...*

SHRI SANJAY NIRUPAM: *

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is not going on record. Please sit down. *(Interruptions)...* Renukaji, *aap-boliye. (Interruptions)...* I am not allowing. *(Interruptions)...* It will not go on record and it will not be reported. Please sit down. *(Interruptions)...* I said, "Please sit down". *(Interruptions)...* Please sit down. *(Interruptions)...* Please sit down. *(Interruptions)...* You cannot say anything. *(Interruptions)...* I am not allowing. It is not going on record. *(Interruptions)...* I will remove everything that you have said from the record. *(Interruptions)...* Whatever you have said I will remove from the record. *(Interruptions)...* Nothing is going on record. *(Interruptions)...* Please sit down. *(Interruptions)...* Please sit down. I am not allowing this issue of murder of some people to be used for political ends *(Interruptions)...* Please sit down. *(Interruptions)...* I am not allowing. Please sit down. Renukaji, *aap-boliye. (Interruptions)...* Please. This is out of the record. *(Interruptions)...* I will remove everything from the record. *(Interruptions)...* Everything is going out of the record. *(Interruptions)...* Everything is going out of the record. *(Interruptions)...* Mr. Ahluwalia, please sit down. Nothing is going on record. *(Interruptions)...* Please, order. *(Interruptions)...* Please, order. Don't react to that. *(Interruptions)...* I said, "Please sit down". *(Interruptions)...* I want you to behave in this House properly. Please take your seats. *(Interruptions)...* Nothing is going on record. *(Interruptions)...* What is this? Mrs. Renuka, why are you getting up? *(Interruptions)...*

SHRI SANJAY NIRUPAM:*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will adjourn the House for your misbehaviour. Keep quiet. *(Interruptions)...* I will adjourn the House, if you behave like this. *(Interruptions)...* When I say, "Keep quiet" I don't mean him aone; I meant everybody. This House should not be used for any political ends. I permitted him because some people died, some people were killed. *(Interruptions)...*

SHRI SANJAY NIRUMPAM: *

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please keep quiet. If you are going to behave like this, I will never permit you to behave in this House in this manner. Please keep quiet. There is a limit to misbehaviour. Renukaji, *aap boliye.*